भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

(आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 911

05 फरवरी, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

भारतीय चिकित्सा पद्धति

911. श्रीमती चिंता अनुराधा:

क्या आयुवद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने का कृपा करगे कि :

(क) कोविड-19 महामारी को काबू करने के लिए भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने कोरोना वायरस को काबू करने म भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रभाव का आकलन किया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण ह?

उत्तर

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
और आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय के
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का अतिरिक्त प्रभार (श्री किरेन रीजीजू)

(क): कोविड-19 महामारी से निपटने म भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

i. आयुष मंत्रालय ने 29.01.2020 को ऐडवाजरी जारी की कि कोविड से कैसे कोई अपना बचाव कर सकता है और कैसे स्वस्थ रह सकता है। मंत्रालय ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है जिसम लोगों को सामान्य रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और संभावित आयुष उपचार के बारे म और अधिक विशिष्ट सुझाव दिए गए ह। मंत्रालय ने श्वसन स्वास्थ्य का विशेष उल्लेख करते हुए निवारक स्वास्थ्य उपायों के साथ-साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए 31.03.2020 को स्वयं-देखभाल दिशानिदश भी जारी किए ह।

ii. आयुष की अलग-अलग पद्धतियों (आयुवद और होम्योपैथी सहित) के पंजीकृत चिकित्साभ्यासियों के लिए दिशानिदश, अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अपने विशेषज्ञों की टीम के साथ मिलकर तैयार किए गए ह और आयुष मंत्रालय के अंतर्विषयक आयुष अनुसंधान और विकास कायदल द्वारा इनकी पुनरीक्षा की गई है। ये पुनरीक्षित दिशानिदश 7,00,000 से अधिक पंजीकृत आयुष चिकित्साभ्यासियों के लाभार्थ पब्लिक डोमेन म उपलब्ध कराए गए ह ताकि कोविड-19 महामारी के एक समान प्रबंधन म मदद मिल सके।

iii. आयुष मंत्रालय द्वारा गठित अंतर्विषयक आयुष अनुसंधान और विकास कायदल ने नैदानिक अनुसंधान प्रोटोकॉल तैयार और डिजाइन किए ह ताकि चार अलग-अलग उपचारों यथा अश्वगंधा, यष्टिमधु, गुडची+पिप्पली और एक पॉली हर्बल औषधयोग (आयुष-64) के अध्ययन हेतु देशभर के विभिन्न संगठनों के उच्च प्रतिष्ठित विशषज्ञों के परामश और समीक्षा के जरिए रोगनिरोधक अध्ययन और कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों का सहायक उपचार किया जा सके। कायदल ने परिषदों की जांच समितियों से प्राप्त प्रस्तावों को हाथ म लिया है और उपलब्ध संकेतों के आधार पर संभावनाओं का अधिक सक्रियता के साथ पता लगाया है। अध्ययन विभिन्न चरणों म जारी है।

iv. आयुष मंत्रालय ने "कोविड-19 के प्रबंधन हेतु आयुवद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल" जारी किया है जिसे राष्ट्रीय कायदल द्वारा अंतर्विषयक समिति की रिपोर्ट और सिफारिशों के अनुसार अखिल भारतीय आयुवद संस्थान (एआईआईए), दिल्ली; आयुवद स्नातकोत्तर प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (आईपीजीटीआर), जामनगर; और राष्ट्रीय आयुवद संस्थान (एनआईए), जयपुर; कद्रीय आयुवदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस); कद्रीय योग व प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) और अन्य राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों की विशेषज्ञ समितियों की सहमति से तैयार किया गया है और इसम कोविड के बाद देखभाल हेतु दिशानिदर्श का उल्लेख है। यह प्रोटोकॉल निम्नलिखित पर आधारित है:

1. आयुवद साहित्य और नैदानिक अनुभव से जानकारी
2. अनुभवजन्य प्रमाण और जैवीय सत्याभास
3. चल रहे नैदानिक अध्ययनों का उभरता रुझान

इस प्रोटोकॉल की प्रमुख विशेषताओं म कोविड-19 के रोगनिरोधक, अलक्षणिक, हल्के और मध्ययम रूप से प्रभावित मामलों का प्रबंधन और पश्चय-प्रबंधन शामिल है।

v. साथ ही, कोविड-19 महामारी के चलते, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों को ध्यान म रखते हुए, आयुष मंत्रालय ने जनमानस के स्वास्थ्य-वधन के हित म तैयार-शुदा आयुष औषधयोगों यथा, 'आयुष क्वाथ' (आयुवद) अथवा 'आयुष कुडिनीर' (सिद्ध) अथवा 'आयुष जोशांदा' (यूनानी) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है।

vi. आयुष मंत्रालय ने 28.07.2020 को एक आदेश जारी किया है जिसम राज्य/संघ राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों को निदश दिए गए ह कि वे कोविड-19 के लिए नैदानिक जांच/अनुसंधान अध्ययनों हेतु भेजे जाने वाले आयुवद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथिक औषधों के लाइसस हेतु आवेदन अग्रेषित कर।

vii. आयुष मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सलाह दी है कि वे कोविड-19 के रोगियों के उपचार म सहायता देने के लिए अपने प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन आयुष सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

(ख) और (ग): आयुष मंत्रालय ने आयुष संजीवनी मोबाइल ऐप विकसित किया है और कोविड-19 के निवारण म आयुष ऐडवाइजरी और उपायों की प्रभाविकता, स्वीकायता तथा उपयोग के प्रभाव के आकलन का प्रलेखन किया है। इस मोबाइल ऐप आधारित आबादी के अध्ययन म लगभग 1.5 करोड़ प्रत्यर्थी शामिल किए गए। 85.1**%** प्रत्यर्थियों ने कोविड-19 की रोकथाम के लिए आयुष उपायों के प्रयोग के बारे म सूचित किया जिसम से 89.8**%** इस बात से सहमत थे कि उन्ह आयुष ऐडवाइजरी के अभ्यास से लाभ हुआ है। 79.1**%** प्रयोगकताओं का जवाब था कि उन्होंने आयुष उपायों से ज्यादा स्वस्थ महसूस किया। 63.4**%** ऐसे थे जिन्होंने स्वस्थता के मापदंडों जैसे नींद, भूख, अन्त्र क्रियाओं, जोश और मानसिक स्वस्थता म सुधार होने के बारे म सूचित किया।

****